निर्णय

बाराबंकी और गौतमबुद्ध नगर से हुई शुरुआत, एक अक्टूबर तक चलेंगे कार्यक्रम

अब हर जिले में होगा ओडीओपी उद्यम समागम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना को प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने प्रदेश भर में उद्यम समागम आयोजित करने का निर्णय लिया है। गुरुवार को बाराबंकी और गौतमबुद्ध नगर से शुरुआत हो गई। अब एक अक्टूबर तक सभी जिलों में क्रमवार दो दिवसीय कार्यक्रम होंगे। उद्यमी और विशेषज्ञों के साथ मंथन कर सरकार लघु उद्योगों को बढ़ावा देने की रूपरेखा बनाएगी।

राजधानी स्थित उप्र निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत सहगल ने कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी 75 जिलों में दो दिवसीय उद्यम समागम होने हैं। इसमें कच्चा माल आपूर्ति, उत्पाद की तकनीक, कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर, वित्तीय व परिवहन सहयोग आदि पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

21-22 सितंबर को राजधानी में जुटेंगे उद्यमी

डीएम देंगे प्रदर्शनी का प्रस्ताव

प्रमुख सचिव सहगल ने बताया कि हर जिले में एक प्रदर्शनी शुरू कराना चाहते हैं, जहां विभिन्न जिलों के ओडीओपी उत्पाद प्रदर्शित किए जाएं। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा एमएसएमई विभाग बैंक ऑफ बड़ौदा से करार कर रहा है, ताकि छोटे उद्यमियों को आसानी से ऋण उपलब्ध कराया जा सके। परिवहन भाड़े में अनुदान का भी विचार है। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया सहित ऑनलाइन बिक्री के लिए विभिन्न कंपनियों से करार की प्रक्रिया चल रही है।

कहां कब समागम

- 12-13 सितंबर : बाराबंकी, गौतमबुद्ध नगर
- 16-17 सितंबर : आगरा, मथुरा, फीरोजाबाद, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, कन्नौज
- 17-18 सितंबर : मैनपुरी, चित्रकूट
- 18-19 सितंबर : अलीगढ़, गोंडा, बलरामपुर, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर
- 19-20 सितंबर : लखीमपुर खीरी,
- 20-21 सितंबर : कासगंज, एटा, हाथरस, अंबेडकर नगर, अमेठी, बहराइच, श्रावस्ती, जौनपुर, गाजियाबाद
- 21-22 सितंबर : लखनऊ
- 23-24 सितंबर : बस्ती, गोरखपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, हापुड़
- 24-25 सितंबर : कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, भदोही, प्रतापगढ़, गाजीपुर
- 25-26 सितंबर : संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, संभल, मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी, रामपुर
- 26-27 सितंबर : हमीरपुर, महोबा, अमरोहा, प्रयागराज, कौशांबी, मुरादाबाद, बिजनौर
- 27-28 सितंबर : अयोध्या, सुल्तानपुर, आजमगढ़, बलिया, मऊ, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, बांदा, झांसी, फतेहपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, चंदौली, जालौन
- 30 सितंबर-01 अक्टूबर : ललितपुर

एक जनपद एक उत्पाद

जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव होगा, वह कर दिया जाएगा। बाकी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। प्रमुख सचिव ने बताया कि समागम में प्रदर्शनी, बायर-सेलर मीट, टेक्नोलॉजी एंड मशीनरी पैकेजिंग, टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन आदि पर विषय विशेषज्ञों के तकनीकी सत्र होंगे। कौशल विकास, निर्यात संभावनाएं, ई-मार्केटिंग, समाधान पोर्टल, जैम पोर्टल पर सेमिनार, वर्कशॉप और पैनल डिस्कशन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में औद्योगिक और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि भी बुलाए जाएंगे। इस तरह विचार-मंथन से निकलने वाले सुझावों के आधार पर 30 अक्टूबर तक हर जिले के लिए एक्शन प्लान बना लिया जाएगा। समागम की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और उद्योग विभाग के अधिकारियों को आवंटित कर दी गई है।